हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:345 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025


# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश, एआई तकनीक से कर चोरी पर कसें शिकंजा

**पथ प्रवाह, देहरादून**





मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 की राजस्व प्राप्तियों की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के समग्र और सतत विकास के लिए राजस्व वसूली बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। सभी विभाग तय लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों एवं विभागीय उच्चाधिकारियों को जनपद स्तर पर राजस्व वसूली की नियमित निगरानी करनी होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने निबंधन एवं रजिस्ट्रेशन से जुड़े सभी कार्यों को पूरी तरह डिजिटाइज करने के निर्देश दिए, जिससे पारदर्शिता बढ़े और राजस्व क्षति को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा रजिस्ट्री के समय संपत्तियों के वास्तविक और उचित मूल्य दर्ज किए जाने के लिए स्थलीय निरीक्षण किए जाने के भी निर्देश दिए। प्रदेश के बाहर से आने वाले वाहनों से ग्रीन सेस की वसूली में हो रही देरी पर मुख्यमंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि ग्रीन सेस की वसूली की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम न केवल राजस्व वृद्धि में सहायक होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को भी मजबूती देगा। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के हित में वन संपदा के संतुलित और वैज्ञानिक उपयोग पर बल देते हुए तराई क्षेत्रों में कमर्शियल प्लांटेशन तथा जड़ी-बूटियों के क्षेत्र में ठोस और व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'इस दशक को उत्तराखंड का दशक' बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए संसाधन वृद्धि को मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष श्रेणी के राज्यों में उत्तराखंड को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की वित्तीय प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है। साथ ही, खनन सुधारों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य को 200 करोड़ की केंद्रीय प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,015 करोड़ का कर राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक 62 प्रतिशत से अधिक की प्राप्ति हो चुकी है। उन्होंने शेष अवधि में लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए सभी विभागों को समन्वित और सक्रिय प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दीर्घकालिक आर्थिक सुदृढ़ता के लिए पूंजीगत निवेश पर विशेष ध्यान दे रही है। पूंजीगत व्यय में 34 प्रतिशत की वृद्धि से इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई गति मिलेगी और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी अधिकारियों से कड़े वित्तीय अनुशासन, बेहतर प्रबंधन और सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि पारदर्शी, जवाबदेह और जनहित में ठोस परिणाम देने वाला प्रशासन ही सरकार का लक्ष्य है।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, एल. फैनई, सचिव दिलीप जावलकर, युगल किशोर पंत, सी. रविशंकर, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. रंजन कुमार मिश्रा अपर सचिव अहमद इकबाल, सोनिका, हिमांशु खुराना, अनुराधा पाल, डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, मनमोहन मैनाली, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

## एक नजर

### ओमान के सुल्तान ने मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ऑडर ऑफ ओमान' से सम्मानित किया



मस्कट। ओमान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से सम्मानित किया है। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने गुरुवार को मस्कट में प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा। मोदी दो दिन की यात्रा पर ओमान गए हुए हैं। इससे पहले श्री मोदी को इथियोपिया ने भी अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा था। मोदी और सुल्तान अल सईद की मौजूदगी में भारत और ओमान ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर भी किए। प्रधानमंत्री ने इस समझौते को भारत-ओमान के साझा भविष्य का ब्लूप्रिंट बताते हुए ज़ोर देकर कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों में नई ऊर्जा आयेगी और परस्पर विकास, नवाचार और रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

### लोकसभा में भारी हंगामे के बीच वीबी-जी-राम-जी विधेयक पारित

नयी दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के बीच विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी -जी राम-जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025 पारित किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा का स्थान लेने वाले वीबी-जी-राम-जी विधेयक पर बुधवार मध्यरात्रि तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से महिला, युवा, गरीबों की जिंदगी बदलने का काम कर बापू के आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया गया है। यह गरीबों की जिंदगी बदलेगा और आदर्श ग्राम की स्थापना करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उनकी पहुंच में होगी। उन्होंने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं। बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं। पूरा देश हमारे लिए एक है। हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है। कांग्रेस ने मनरेगा को पूरी तरह से भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि असल मायने में मनरेगा के फंड का दुरुपयोग किया गया है। दूसरी तरफ हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से किसानों और गरीबों का कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि नरेगा को महात्मा गांधी के नाम के साथ शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों से पहले वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने अपने कार्यकाल में इस पर सिर्फ 2.13 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जबकि मोदी सरकार ने 2014 से इस पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं।

## मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 183.97 करोड़ की योजनाओं को दी मंजूरी

**पथ प्रवाह, देहरादून**



उत्तराखण्ड के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 183.97 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। यह अनुमोदन सड़क, रोपवे, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा, हवाई संपर्क और शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए दिया गया है, जिससे प्रदेश के दूरस्थ और शहरी दोनों क्षेत्रों को समान रूप से लाभ मिलेगा।

पर्यटन और आवागमन को प्रोत्साहन देने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मसूरी एवं रानीबाग (काठगोदाम) से नैनीताल मार्ग में रोपवे निर्माण के लिए फिजिबिलिटी अध्ययन हेतु 3.30 करोड़ का प्रावधान किया है। वहीं, यमनोत्री बड़कोट-पौंटी मोटर मार्ग से बड़कोट हेलीपैड तक सड़क के डामरीकरण, सुदृढ़ीकरण तथा हेलीपैड की बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 1.89 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। जनपद हरिद्वार के मंगलौर-रुड़की आवासीय परियोजना में परियोजना स्थल तक पहुंच मार्ग के निर्माण हेतु 2.49 करोड़ तथा राजकीय मेडिकल कॉलेज, रुद्रपुर के निर्माण कार्यों के लिए पुनरीक्षित आंगणन के तहत 35 करोड़ की धनराशि को भी मंजूरी दी गई है।

शहरी एवं सामाजिक सुविधाओं के विस्तार के क्रम में नगर पंचायत गूलरभोज के कोपा स्थित श्मशान घाट के निर्माण एवं नवीनीकरण हेतु 80 लाख, नगर निगम कोटद्वार क्षेत्र में एबीसी सेंटर के निर्माण हेतु 2.68 करोड़ तथा क्लस्टर विद्यालय योजना के अंतर्गत देहरादून एवं टिहरी जनपदों में स्थित तीन राजकीय इंटर कॉलेजों के निर्माण कार्यों के लिए 5.46 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने का अनुमोदन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, उत्तराखण्ड निवेश एवं आधारिक संरचना विकास बोर्ड के अंतर्गत शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना के लिए 107.35 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जनपदों के पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय परिसरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग संसाधनों के लिए 21 जनरेटर क्रय हेतु 15.55 करोड़ तथा खटीमा विधानसभा क्षेत्र में बिगराबाग से चकरपुर तक मार्ग को उच्चीकृत कर डेढ़ लेन करने के लिए 9.45 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।

## भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से उत्तराखंड के सांसदों की शिष्टाचार भेंट




पथ प्रवाह, नई दिल्ली। उत्तराखंड के सभी पांचों लोकसभा सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सांसदों ने उन्हें नवीन दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस मुलाकात में उत्तराखंड से लोकसभा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, अनिल बलूनी, अजय भट्ट, अजय टम्टा और माला राज्यलक्ष्मी शाह शामिल रहे। भेंट के दौरान संगठनात्मक विषयों, जनहित से जुड़े मुद्दों और केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श हुआ। सांसदों ने उत्तराखंड के विकास से संबंधित विषयों पर भी अपने सुझाव साझा किए। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने सभी सांसदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी का उद्देश्य अंत्योदय के संकल्प के साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तराखंड के सभी सांसद केंद्र और संगठन के बीच मजबूत सेतु बनकर जनसेवा के कार्यों को और गति देंगे। यह शिष्टाचार भेंट सौहार्दपूर्ण रही, जिसे संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रैन बसेरों का लिया जायजा, गरीबों को बांटे कंबल

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के बीच बेसहारा, असहाय और गरीब लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में बनाए गए रैन बसेरों का देर शाम स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रैन बसेरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रैन बसेरों में साफ-सफाई की स्थिति, बिस्तर, चादर, रजाई, हीटर और प्रकाश व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि रैन बसेरों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा चादरों और रजाई के कवर की समय-समय पर धुलाई सुनिश्चित की जाए। रैन बसेरों में ठहरने वाले गरीब व्यक्तियों और श्रद्धालुओं का पूरा विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार का सुविधा शुल्क न लिया जाए।

शीतलहर से बचाव के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में हीटर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत लोड से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए नगर निगम और विद्युत

विभाग को संयुक्त रूप से सभी रैन बसेरों का विद्युत ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और घाटों पर अलाव जलाने के निर्देश भी दिए, ताकि खुले में रहने वाले गरीब, असहाय लोग और श्रद्धालु ठंड से सुरक्षित रह सकें।

### अतिक्रमण पर डीएम नाराज

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने हर की पौड़ी के आसपास के घाटों पर अतिक्रमण देखकर नाराजगी जाहिर करते हुए कई दुकानदारों को फटकार लगाई। उनको गंदगी नही करने की चेतावनी दी। इसी के साक हरकी पैड़ी क्षेत्र और शिव पुल से लेकर ओम पुल तक सभी घाटों को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश नगर निगम को दिए। उन्होंने कहा कि घाटों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में बाधा बनता है, जिसे तत्काल हटाया जाए।

### शौचालय संचालक को निर्देश

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक शौचालयों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों में यूरिन शुल्क की सूचनाओं का संज्ञान लेते निर्देश दिए कि किसी से भी यूरिन शुल्क नही लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने तमाम सूचना पटों को अपने सामने हटवाया।

### मानवीय संवेदनाओं का परिचय

मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निरीक्षण के दौरान असहाय गरीब व्यक्तियों को कंबल भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि शीतलहर के दौरान कंबल वितरण का कार्य लगातार जारी रहेगा। इसके लिए सभी उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जरूरतमंदों की पहचान कर कंबल वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, उप नगर आयुक्त ऋषभ उनियाल, तहसीलदार सचिन कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# बेरोजगार युवा और कमजोर वर्ग के पात्र लोगों को प्राथमिकता से उपलब्ध कराएं ऋण: सीडीओ

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने जनपद के बेरोजगार युवाओं, किसानों एवं कमजोर वर्ग के लोगों को विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वरोजगार परख योजनाओं के लिए बैंकों को ऋण उपलब्ध कराए जाने के लिए आवेदनों को प्राथमिकता से स्वीकृत करते हुए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। यह निर्देश उन्होंने जिला कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति/जिला सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक में उपस्थित बैंक प्रबंधकों को दिए।

बैठक की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने पाया कि कई बैंकों के शाखा प्रबन्धक/ प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नहीं हुए, जिसपर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए लीड बैंक अधिकारी/ एलडीओ (देहरादून)रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिए है कि आज की बैठक में जो बैंक अनुपस्थित पाए गए है उन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी बैंकों को यह भी निर्देश दिए है कि डीएलआरसी की बैठक में सभी बैंक पूर्ण तैयारी के साथ आए एवं सक्षम अधिकारी ही

बैठक में उपस्थित हो, जिन्हें बैंको को उपलब्ध कराए गए आवेदनों के बारे में पूर्ण जानकारी हो।

### आवेदक को उपलब्ध कराए जानकारी

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिए ही कि विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराए जाने हेतु पात्र लाभार्थियों के जो भी आवेदन पत्र बैंकों को उपलब्ध कराए जाते है उन्हें शीर्ष प्राथमिकता से स्वीकृत करते हुए ऋण उपल्ब्ध करना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा ऋण देने में अनावश्यक आपत्ति न लगाई जाए, यदि किन्ही कारणों से ऋण उपलब्ध करना संभव नहीं हो पाता है तो आवेदक कर्ता को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

### लक्ष्य को पूरा करने के लिए उपलब्ध कराए ऋण

सीडीओ ने ऋण जमा अनुपात (C D Ratio) की समीक्षा करते हुए 40 प्रतिशत से कम ऋण जमा अनुपात वाले बैंक शाखाओं को अधिक से अधिक लोगों को ऋण उपलब्ध करना सुनिश्चित करे जिससे कि वह अपना लक्ष्य हासिल कर सके, उन्होंने सभी बैंक पर प्रबन्धकों को यह भी निर्देश दिए है कि विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने एवं ऋण उपलब्ध कराए जाने के लिए वर्तमान समय में जन जन की सरकार जन जन के द्वार आयोजित हो रहे बहुउद्देशीय शिविरों में भी बैंक शाखाएं अपना स्टॉल लगाए जिससे कि अधिक से अधिक लोगों को लाभांवित करना सुनाश्चित करे। उन्होंने सभी विभागों एवं बैंक प्रबंधकों से उपेक्षा की है की उनके द्वारा जो भी डेटा वेब साइट पर जो भी डेटा /अपलोड किया जाता है उसका किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं होनी चाहिए।

### जनपद में 28 लाख 69 हजार से अधिक जनधन खाते

इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक दिनेश गुप्ता ने विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी से अवगत कराते हुए कहा प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत जनपद में 30 सितंबर 2025 तक कुल 2869961 बचत खाते खोले जा चुके है तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत हरिद्वार जनपद में योजना के प्रारंभ से लेकर 30 सितंबर 2025 तक 651017 व्यक्तियों को बीमा किया जा चुका है, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत जनपद में योजना के प्रारंभ से लेकर 30 सितंबर 2025 तक 166857 व्यक्तियों का बीमा किया जा चुका है,अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जनपद में योजना के प्रारंभ से लेकर 30 सितंबर 2025 तक 154570 व्यक्तियों को जोड़ा जा चुका है।

### ये अधिकारी रहे बैठक में मौजूद

बैठक में एलडीओ आरबीआई (देहरादून) सीरज कुमार अरोड़ा, डीडीएम नाबार्ड अखिलेश डबराल, महाप्रबंधक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी,जिला कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भंडारी,जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, सहायक निर्देशक मत्स्य विभाग गरिमा मिश्रा,सहायक निर्देशक डेयरी ओंकार नाथ सहित संबंधित अधिकारी विभिन बैंकों के शाखा प्रबन्धक /प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

# ओम विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं का उत्सव, क्रीड़ा सप्ताह का भव्य शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार। श्री ओम विश्वविद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अंतरशाखीय क्रीड़ा सप्ताह (स्पोर्ट्स मीट) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के सभी संकायों के छात्र-छात्राएं इस खेल महोत्सव में पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का सफल संचालन डॉ. अनिल कुमार झा (डीन, आयुर्वेदा) के नेतृत्व में किया जा रहा है।

क्रीड़ा सप्ताह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुनीश सैनी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी गणमान्य अतिथि, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शुभारंभ समारोह के दौरान परिसर में उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

कार्यक्रम में प्रो-कुलपति प्रोफेसर एस.पी. पांडे ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इससे अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का भी विकास होता है। खेल जीवन में संघर्ष से जूझने और सफलता प्राप्त

करने की प्रेरणा देते हैं।

क्रीड़ा सप्ताह के अंतर्गत आउटडोर एवं इनडोर दोनों प्रकार की प्रतियोगिताओं का सुव्यवस्थित आयोजन किया जा रहा है। आउटडोर खेलों में क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, खो-खो, रस्साकशी, दौड़ एवं जम्प जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं, वहीं इनडोर खेलों में कैरम, लूडो, शतरंज के साथ-साथ रंगोली और पोस्टर पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इन सभी प्रतियोगिताओं का संचालन विश्वविद्यालय की विभिन्न आयोजन समितियों द्वारा सुनियोजित ढंग से किया जा रहा है। क्रीड़ा सप्ताह का समापन 20 दिसंबर 2025 को विश्वविद्यालय के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया जाएगा, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लिए यह भी हर्ष का विषय रहा कि श्री ओम विश्वविद्यालय को उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्री ओम विश्वविद्यालय शिक्षा, नवाचार और सामाजिक उत्थान का एक उत्कृष्ट केंद्र है। यह संस्थान न केवल डिग्री प्रदान करता है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त मंच भी है।

मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कुलाधिपति मुनीश सैनी की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, रोजगारोन्मुख शिक्षा देने और समाज के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है।

खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने में डॉ. सुशील कुमार, डॉ. विजय सिंह, डॉ. किरण मोहिते, डॉ. तृप्ति, डॉ. मोहिनी, डॉ. प्रांशु, डॉ. प्रियंक, डॉ. अभिषेक रमन, शशिर आर्य, अभिषेक शाह, विजय सिंह, पुष्पेंद्र तिवारी, शुभम, गौरव मनकोटिया, विशाखा, साधना, शुभम सेमवाल, अंकुर, प्रियंका सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

## एक नजर

### पोक्सो एक्ट में फरार चल रह 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

पथ प्रवाह,हरिद्वार। एक साल से फरार चल रहे पोक्सो एक्ट के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 25 हजार का ईनाम भी घोषित है। आरोपित नौकरी करने के लिए दुबई जाने की अफवाह फैलाकर हैदराबाद में रह रहा था। जानकारी के मुताबिक जनपद के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए अब्बास पुत्र अली अब्बास निवासी टाण्ड भन्हेड़ा, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार के खिलाफ एक वर्ष पूर्व नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद से पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी थी। आरोपित ने अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए व पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से अपने परिजनों के माध्यम से यह प्रचारित किया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई चला गया है। पुलिस ने अनेक पहलुओं से जांच की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए इलेक्ट्रॉनिक एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर लगातार प्रयास किए गए, परंतु पूर्व नियोजित रणनीति के कारण आरोपी लंबे समय तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा। इसी के चलते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आरोपित की गिरफ्तारी पर 25 हजार का ईनाम घोषित किया। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप आरोपित के वर्तमान में हैदराबाद में निवास करने की बात पता चली। पुलिस टीम ने हैदराबाद में डेरा डालकर आरोपित की गतिविधियों पर निगरानी रखी। आरोपी के मंगलौर लौटने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उसका चालान कर दिया है।

### हरिद्वार में रिश्वतखोरी पर करारा प्रहार : खंड शिक्षा अधिकारी 20 रिश्वत लेते गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखण्ड में भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सख्त निर्देशों का असर अब लगातार धरातल पर दिखाई देने लगा है। विजिलेंस की टीम भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रैप करके सलाखों के पीछे भेज रही है। इसी क्रम में सतर्कता विभाग देहरादून ने जनपद हरिद्वार के खंड शिक्षा अधिकारी, बहादराबाद बृजपाल सिंह राठौड़ को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की यह कार्रवाई गुरुवार को विकास भवन, रोशनाबाद परिसर में की गई, जहां आरोपी को वैधानिक कार्यवाही के लिए हिरासत में लेकर देहरादून ले जाया गया।

गौरतलब है कि खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल राठौर ने पुलिस मॉडर्न स्कूल, 40वीं वाहिनी पीएसी से संबंधित नवीनीकरण/मान्यता आदि कार्यों के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर सतर्कता विभाग ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाकर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान विजिलेंस टीम ने आवश्यक साक्ष्य भी संकलित किए हैं, जिससे आगे की कानूनी प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी।

विदित हो कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए विजिलेंस को पूरी छूट दे रखी है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में वर्ष दर वर्ष विजिलेंस ट्रैप और गिरफ्तारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मजबूत साक्ष्यों के आधार पर सतर्कता विभाग आरोपियों को न्यायालय से सजा दिलाने में भी सफल रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सतर्कता विभाग द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1064 जारी किया गया है। साथ ही, सभी विभागों को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि अंतिम निर्णय आने तक ट्रैप मामलों में संलिप्त अधिकारियों को कोई महत्वपूर्ण दायित्व न सौंपा जाए तथा अभियोजन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया है कि देवभूमि उत्तराखंड को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना और सुशासन की कार्य संस्कृति विकसित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

### 20 हजार की रिश्वत लेते हुए बीईओ रंगे हाथ गिरफ्तार, प्रभारी प्रधानाध्यक पर पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। देहरादून से आई विजिलेंस टीम ने बहादराबाद के खंड शिक्षा अधिकारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की टीम ने उनके एक सहयोगी को भी पकड़ा है। आरोप है कि खंड शिक्षा अधिकारी ने 40 वाहिनी पीएसी के पुलिस मॉडर्न स्कूल की मान्यता से जुड़े मामले में 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। विजिलेंस सूत्रों के अनुसार हरिद्वार स्थित 40 वाहिनी पीएसी के पुलिस मॉडर्न स्कूल की मान्यता नवीनीकरण होनी थी। मान्यता के लिए नवीनीकरण प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। शिकायतकर्ता ने जब खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौर से नवीनीकरण प्रमाण पत्र जारी करने को कहा तो उन्होंने रिश्वत की एवज में बीस हजार रुपए मांगे। शिकायतकर्ता ने इसकी शिकायत विजिलेंस से की। विजिलेंस की टीम ने जाल बिछाया और रोशनाबाद स्थित खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर छापेमारी की। खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौड़ को विलेंस की टीम ने रोशनाबाद जिला मुख्यालय से दबोच लिया। वर्तमान में बृजपाल सिंह राठौर बहादराबाद में तैनात हैं। बृजपाल राठौर की पत्नी सीओ के पद पर देहरादून जिले में तैनात है। वहीं दूसरी तरफ एक शिक्षक मुकेश प्रभारी प्रधानाध्यापक मंगोलपुर श्यामपुर को भी पकड़ा है। शिक्षक मुकेश भी ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) है और वर्तमान में मंगोलपुर के सरकारी स्कूल में प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात है। आरोप है कि मुकेश बृजपाल सिंह राठौर के लिए ही काम करता था और उसके साथ रिश्वतखोरी के धंधे में शामिल था। शिकायतकर्ता से उसी ने बिचौलिया बनकर रिश्वत की मांग की थी।

# आम का बाग बना 'सुसाइड प्वाइंट', जगजीतपुर में बढ़ती आत्महत्याओं से दहशत

**पथ प्रवाह, हरिद्वार**

हरिद्वार के कनखल थाना क्षेत्र अंतर्गत जगजीतपुर में स्थित एक आम का बाग इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए डर और चिंता का कारण बन गया है। लगातार सामने आ रही आत्महत्याओं की घटनाओं के बाद लोग इस बाग को 'सुसाइड प्वाइंट' कहने लगे हैं। गुरुवार को एक और किशोर द्वारा इसी बाग में आत्महत्या किए जाने की घटना ने इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह जगजीतपुर चौकी क्षेत्र में मांगेराम पुलिस चौकी के समीप स्थित आम के बाग में एक युवक के पेड़ से लटके होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक, उप निरीक्षक ललित मोहन अधिकारी और चेतक पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक को नीचे उतरवाया, जिसकी पहचान संजू (17 वर्ष) पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी छतरीवाला कुआं, जगजीतपुर के रूप में हुई।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि संजू नशे का आदी था और बुधवार रात घर लौटने के बाद उसने विवाद किया। गुस्से में उसने अपने कपड़े फाड़े और आग लगाने का प्रयास किया, इसके बाद नाराज होकर घर से चला गया। जाते समय उसने कहा था कि 'सुबह बाग में मिलूंगा।' परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह बाग में पहुंचने पर वह पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। उप निरीक्षक ललित मोहन अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस आम के बाग में पहले भी कई आत्महत्याएं हो चुकी हैं। कोई भी मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति यहां आकर जान दे देता है, जिससे आसपास के लोग भयभीत हैं। लोगों ने प्रशासन से बाग की निगरानी बढ़ाने और ऐसे संवेदनशील स्थानों पर रोकथाम के ठोस उपाय करने की मांग की है।

## विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर ज्वालापुर कोतवाली में संवाद और सम्मान का संदेश

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर कोतवाली ज्वालापुर प्रांगण में जागरूकता एवं संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर जितेन्द्र चौधरी ने की, जबकि प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर कुन्दन सिंह राणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। गोष्ठी में थाना क्षेत्र के अल्पसंख्यक समुदाय के गणमान्य एवं सम्भ्रांत नागरिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित लोगों का कुशलक्षेम पूछा गया तथा उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और समाज के बीच विश्वास को मजबूत करना तथा अल्पसंख्यक समुदाय को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। गोष्ठी के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। साथ ही, उपस्थित महानुभावों को भारतीय संविधान में प्रदत्त संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से अनुच्छेद 29 एवं 30 के अंतर्गत अल्पसंख्यकों को प्राप्त शैक्षिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों तथा कानूनी संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सम्मानित व्यक्तियों ने इस सार्थक आयोजन और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए कोतवाली ज्वालापुर पुलिस की सराहना की। उन्होंने पुलिस प्रशासन के इस प्रयास को समाज में सौहार्द और विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

# धर्मनगरी में चल रहे स्वच्छता अभियान के 30 दिन हुए पूरे, साफ हो रहे कूड़े के ढेर

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर एवं क्लीन जनपद बनाने के लिए स्वच्छता अभियान गुरूवार को 30वें दिन भी जारी रहा। जनपद के शहरी क्षेत्रों से लेकर गांव कस्बों तक की चलाए जा रहे इस अभियान का असर दिखायी दे रहा है। रास्तों में जगह जगह दिखायी देने वाले कूड़े के ढेर अब कम हो रहे हैं। सफाई व्यवस्था के इस अभियान कीजिलाधिकारी स्वयं निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर, क्लीन जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वो धरातल पर उतरकर अपने अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था की निरंतर निगरानी करते हुए अपने क्षेत्रों को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए चलाया जा रहे स्वच्छता अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करे। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आज जनपद में 30वें दिन भी जनपद के शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

#### बीएचईएल नगर प्रशासक भी चला रहा अभियान

बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि चिन्मय डिग्री कॉलेज चौक के पास कचरा सफाई का कार्य एवं भेल टाउनशिप में एडमिस्ट्रेन विभाग द्वारा साफ सफाई अभियान चलाया गया तथा भगत सिंह चौक से एचआरडीसी चौराहा तक डिवाइडर पर पेड़ो की छटनी का कार्य किया गए तथा उनकी साफ सफाई कराई गई साथ ही पेंटागन मॉल के पास एवं डिस्पेंसरी के पास सफाई का कार्य कराया गया।

खण्ड विकास अधिकारी बहादराबाद मानस मित्तल ने अवगत कराया है कि लक्सर हाईवे का दौरा कर ,कूड़ा एकत्रित करने एवं साफ सफाई के लिए हिम विलेज एनजीओ से विचार विमर्श किया गया तथा भागतनपुर आबिदपुर में प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया गया।

#### स्वच्छता की ली शपथ

अपर परियोजना निर्देशक डीआरडीए नलिनीत घिल्डियाल ने अवगत कराया है कि महिला समूह द्वारा ब्लॉक लक्सर के अकोड़ा कलां एवं डूंगरपुर ग्राम पंचायत में साफ सफाई का कार्य किया साथ ही महिलाओं को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। विकास खंड अधिकारी लक्सर प्रवीण भट्ट ने अवगत कराया है कि अलावलपुर लक्सर एवं महतोली लक्सर क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई का कार्य कराया गया। जिला आबकारी अधिकारी कैलाश चंद्र बिंजोला ने अवगत कराया है कि आज देशी विदेशी मदिरा की दुकानों पर भी साफ सफाई का कार्य कराया गया। आरएम सिडकुल कमल कफलतिया ने अवगत कराया है कि सिडकुल राजा बिस्कुट फैक्ट्री के आस पास क्षेत्र में साफ सफाई का कार्य किया गया।

# संपादकीय

## शैक्षिक भ्रमणः संस्कार, संस्कृति और समग्र विकास की दिशा में सार्थक पहल

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम निःसंदेह एक दूरदर्शी और प्रेरणादायी पहल है। यह योजना केवल पुरस्कार स्वरूप की यात्रा नहीं, बल्कि शिक्षा को पुस्तकों की सीमाओं से बाहर निकालकर जीवन से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आज की प्रतिस्पर्धात्मक और डिजिटल दुनिया में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक लाना नहीं रह गया है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास, व्यवहारिक ज्ञान, सामाजिक समझ और सांस्कृतिक चेतना उतनी ही आवश्यक हो गई है। ऐसे में उत्तराखंड सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के माध्यम से इस वर्ष राज्य के 240 टॉपर विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाना एक सराहनीय कदम है। यह उन छात्रों के लिए सम्मान भी है और प्रेरणा भी, जो कठिन परिस्थितियों में परिश्रम कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

शैक्षिक भ्रमण बच्चों को देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक धरोहर से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराता है। जब विद्यार्थी ऐतिहासिक स्थलों, राष्ट्रीय संस्थानों और सांस्कृतिक केंद्रों को अपनी आंखों से देखते हैं, तो उनके भीतर जिज्ञासा, गर्व और सीखने की ललक स्वतः विकसित होती है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि वे अपनी जड़ों, परंपराओं और मूल्यों को भी गहराई से समझते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की यह पहल सामाजिक समानता का संदेश भी देती है। राज्य के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश को देखने और समझने का अवसर मिलना उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता है। यह अनुभव भविष्य में उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की सोच को मजबूत करेगा।

निस्संदेह, उत्तराखंड सरकार का यह शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम भविष्य में दूरगामी और सकारात्मक परिणाम देगा। यदि ऐसी पहलों को निरंतरता और व्यापकता दी जाए, तो यह शिक्षा व्यवस्था को अधिक जीवनोपयोगी, संस्कारयुक्त और राष्ट्रोन्मुख बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

## वीबी- जी राम जी का 125 दिन वाला झुनझुना

**सनत जैन**

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को ग्रामीण भारत के लिए जीवनरेखा माना गया था। इस योजना का मूल उद्देश्य था, हर ग्रामीण परिवार को साल में कम से कम 100 दिन का गारंटीड रोजगार और समय पर मजदूरी मिले। जमीनी हकीकत पिछले वर्षों में इससे बिल्कुल उलट दिखाई देती है। आज स्थिति यह है, 100 दिन की कानूनी गारंटी होने के बावजूद मजदूरों को औसतन 40 से 50 दिन का औसत से अधिक काम नहीं मिल पा रहा है। जो काम मिलता भी है, उसकी मजदूरी समय पर नहीं मिल रही है। मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी में देरी अब अपवाद नहीं, बल्कि एक व्यवस्था बन चुकी है। कई राज्यों में मजदूरों को कई महीनों तक भुगतान का इंतजार करना पड़ता है। इसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। खपत घटती है, कर्ज बढ़ता है, और पलायन बढ़ता है। गांवों में रोजगार नहीं मिल रहा है, लेकिन शहरों में भी अब मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस विफलता की जिम्मेदारी तय करने एवं व्यवस्था में सुधार करने के बजाय सरकार की ओर से विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी- जी राम जी बिल में 125 दिनों के रोजगार देने का जो वायदा किया जा रहा है उसे विपक्षी दल, सरकार का '125 दिन का झुनझुना' कह रहे हैं। नए प्रस्ताव में एक ओर रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों पर 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का बोझ डाल दिया गया है। पहले से ही कर्ज में डूबी राज्य सरकारों के लिए यह अतिरिक्त वित्तीय जिम्मेदारी निभाना लगभग असंभव है। नतीजे में राज्यों को या तो मजदूरों की संख्या को कम करना होगा, या भुगतान में देरी होगी। इस योजना के तहत अव्यवस्था फैलेगी। इस तरह 125 दिन का दावा कागजों तक सीमित रह जायेगा। मजदूरों के अधिकार फाइलों तक सीमित रह जाएंगे। सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है, कि इस नए बिल में केंद्र सरकार को यह अधिकार देने की बात की जा रही है, कि कहां मजदूरी देनी है, कहां नहीं। इसका फैसला दिल्ली के मंत्रालय में होगा। इससे मनरेगा की आत्मा गारंटीड अधिकार का वजूद ही खतरे में पड़ जायेगा। मजदूरी के निर्णय का अधिकार पंचायत और राज्य सरकार से निकलकर केंद्र सरकार के विवेकाधिकार में आ जाएगा और राजनीतिक टूल्स बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल में पिछले 4 साल से मनरेगा के मजदूरों को काम नहीं मिला है। जो काम मजदूरों ने किया था, उसका भुगतान भी नहीं हुआ है। अभी जब यह हाल हैं, तो आगे क्या होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। यह योजना मजदूरों के कल्याण की कम और राजनीति का हथियार ज्यादा बनकर रह जाएगी। योजना के विरोध करने वालों का कहना है, कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी इस योजना का नाम बदलकर भगवान राम के नाम पर योजना करने के राजनीतिक फायदे जरूर हो सकते हैं, लेकिन उसके मूल सिद्धांतों को कमजोर कर दिया गया है। 125 दिन का शोर मचाकर मनरेगा को अप्रासंगिक बनाने और योजना को बंद करने का अप्रत्यक्ष प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। 100 दिन की मौजूदा गारंटी ही पूरी नहीं हो पा रही, तो 125 दिन के वादे को किस आधार पर भरोसेमंद माना जा सकता है? वह भी तब जब राज्य और केंद्र सरकार के ऊपर भारी कर्ज हो। तब बिल में जो सपने दिखाए जा रहे हैं, उन सपनों पर अब विश्वास भी नहीं किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है, कि मौजूदा कानून को ईमानदारी से लागू किया जाए। मजदूरों के लिए जो संवैधानिक अधिकार दिया गया है इसका पूर्ण रूप से पालन किया जाए। समय पर सभी पंजीकृत मजदूरों को 100 दिन की अनिवार्य रूप से मजदूरी दी जाए। मजदूरी का भुगतान निश्चित समय सीमा पर हो। इसके लिए पर्याप्त बजट केंद्र सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के जारी किया जाए। लोकसभा में बिल पेश किया गया, उस पर बहस हुई और विपक्ष के भारी हंगामे के बीच गुरुवार 18 दिसंबर को इसे मंजूरी दे दी गई। इस विधेयक पर बुधवार को आधी रात के बाद चर्चा समाप्त हुई थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने अपनी-अपनी बातें सदन के समक्ष रखे। महात्मा गांधी का नाम हटाकर जिस तरह से विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी- जी राम जी के नाम पर योजना में बदलाव किया जा रहा है, उसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा अपने-अपने तर्क रखे हैं। बहरहाल लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच इस बिल को मंजूरी दे दी गई। विधेयक पारित होने के साथ ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। महात्मा गांधी का सपना था कि भारत गांवों का देश है और जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं होगा। अब इस योजना से भगवान राम को जोड़ा जा रहा है, राजनीति में भगवान को प्रत्यक्ष रूप से शामिल करने की जो कोशिश की जा रही है उसे कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है। भगवान राम को राजनीति में घसीटना भगवान राम के नाम को बदनाम करने जैसा है।

# आप दूसरे के धर्म में टीका टिपण्णी ना करे

**संजय गोस्वामी**

अभी क्रिसमस 25 दिसंबर को आ रहा जो ख़ासकर ईसाई लोग मानते है उस पर बहुत सारे लोग टीका टिप्पणी में लगे रहते है जो सही नहीं है पहले खुद को देखिये भगवान राम हर शरीर में आत्मा के रूप में प्रत्येक देहधारी के हृदय में विराजमान हैं लेकिन सच्चे आदमी को सकारात्मक लगता है और दुष्ट आदमी में वह दबा रहता है लेकिन साधारणतया मनुष्य का ध्यान भगवान राम में भी राजनीती सौदेबाजी करता है उसमें बाह्य विषयरूप जगत की ओर ही रहता है इसलिए वह भगवान राम को जान नहीं पाता है लेकिन जो पुण्यात्मा लोग होते हैं तथा जिन पर भगवान राम की कृपा होती है ऐसे महापुरुष अपना ध्यान बाह्य जगत से हटाकर अपने अन्दर हृदय की ओर भगवान राम को स्थिर करते हैं , इस प्रकार बार-बार जीवन पर्यन्त अपने हृदय में भगवान के होने का अनुभव करने से पता नहीं वह माखनचोर कब आपके हृदय में प्रकट हो जाय । यदि प्रकट नहीं भी होते राम की साधना ही भगवान है । वह तो सदैव आपके पास रहती ही है । राम आपके : आत्मा के रूप में है, कण कण में है ये अलग बात है। उनका साकार स्वरूप जहां प्रकट हो दीन के रूप में जहाँ भी उनका पूरा आदर और सम्मान किया जाए ये भक्त की भावना से जुड़ी हुई बात है। किसी भी धर्म का अपमान नहीं होना चाहिए तो यदि आप क़ोई 25 दिसंबर को क्रिसमस नहीं मानते हैं और क़ोई इसे मनाना जारी रखते हैं तो उस व्यक्ति का हृदय दुखेगा। इसका अर्थ यह हो गया कि अपने पाप किया है। यही भागवत गीता की पाप और पुण्य की परिभाषा है। मुझको भी बहुत गुस्सा आती थी और अभी भी आपको जानकर आश्चर्य होगा मैं अपनी सोसाइटी के डस्टबिन में से यदि कोई फोटो या फ्रेम टूटा होता है और वह फोटो पूरी होती है या नहीं भी होती है तो उसको बाहर लाकर साफ करके कहीं पवित्र स्थान पर रखता हूं और अगर फटी भी होती है तो उसको केले की जड़ में डालता हूं जिससे खादबन जाए। दक्षिण भारत में यह बहुत गंदी आदत है जरा सा भी फ्रेम अगर किसी का टूट जाए तो वह पूरी फोटो कचरे में डाल देते हैं सड़क के किनारे और मैं सड़क के किनारे से अनेक फोटो उठाकर उनका साफ करके अपने घर में स्थान दिया है। जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। जब हमको सर्वत्र ब्रह्म दिखता है तो इसका अर्थ यह नहीं कि हम उसके साकार रूप के प्रयास का अपमान करें यह सहें।: शिष्य का कर्तव्य है कि सदुरू द्वारा उपदेश पर लक्ष्य रखें। गुरु शिष्य सम्बन्ध आत्मिक है, केवल दिखावे अथवा कहने मात्र का नहीं। जगत में चार प्रकार के लोग होते हैं 1..जो न स्वयं खाते हैं, न खाने देते हैं।मरने के पश्चात इनका धन दूसरे उपयोग करते हैं। 2..जो स्वयं खाते हैं पर दूसरों को खाने नहीं देते हैं। ऐसे व्यक्तियों का धन भी उनकी मृत्यु के पश्चात दूसरे उपभोग करते हैं। 3..जो स्वयं भी खाते हैं, तथा दूसरों को भी खिला कर प्रसन्न रखते हैं। 4.. जिनके अपने लिए बचे न बचे, दूसरों को खिला कर ही उनको संतोष होता है। आगंतुकों , अतिथियों की सेवा अपना परम धर्म मानते हैं। ऐसे भक्तों का जीवन तपोमय होता है।वे प्राणी मात्र में अपने राम के ही दर्शन करते हैं। आज के स्वार्थ परायण युग में आध्यात्म की बातें लोगों को समझ नहीं आती। उसमें चौथे वर्ग के अनुसार चल पाना बहुत कठिन है। किंतु तीसरे वर्ग के अनुसार चलते हुए उदार चित्त तो बना ही जा सकता है जो भी व्यक्ति पूर्वजन्म में योगी होता है , वाल्यावस्था से ही उसका अन्तःकरण भगवान राम के अलौकिक आनन्द से भरा रहता है जिसे वह नहीं जानता कि मेरे अन्तःकरण में ऐसा आनन्द क्यों है । जैसे-जैसे उसकी अवस्था बढ़ती है तो उसके आनन्द में कमी होने लगती है लेकिन वह भगवान राम की उपासना करने लगता है । एक ऐसी स्थिति आती है कि या तो शास्त्रों के अध्यन से अथवा गुरू के उपदेश से उसे ब्रह्मसाक्षात्कार हो जाता है । ब्रह्मसाक्षात्कार होने पर उसे बाल्यावस्था जैसा अलौकिक आनन्द प्राप्त हो जाता है तभी वह जान पाता है कि बाल्यावस्था में मुझे ब्रह्म का अलौकिक आनन्द प्राप्त था। अपने अहंकार से स्वयम् को अलग करने पर व्यक्ति को जो अनुभव होता है वही ब्रह्म है । सदा रहो रघुपति के दासा : राम रसायन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल। कबीर पीवन दुर्लभ है, मांगै सीस कपाल । कहा बह जाते मन भी है और स्वप्न भी है : एक को पकडो क़ोई शरीर खेल रहा कभी वो मंदिर कभी जाता है लेकिन ध्यान कहीं और में होता है तुम कहां होते [मन, बुध्दि में घुसा जा रहा,विवेक पता नहीं कहां बैठा,प्रज्ञा ,बुध्दि में विलय,तीनों गुण अपना तांडव मचा रहे, पंचतत्व रुष्ट हैं,आत्मा दब गयी, परमात्मा न जाने कहां गयी, [ संसारः चित्तकृतो ह्येष चित्तनिर्वेदाद् भवति निवृत्तिः। ये राम जी को उनके गुरु महर्षि वसिष्ठ जी ने उपदेश दिया भगवान राम के नाम से संसार चित्त से उठता है और चित्त ब्रहम का स्पंदन है ऐसा जानकर तुम स्वरुप में स्थित हो योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः। यह पतंजलि योगसूत्र का प्रथम सूत्र है, जो योग की परिभाषा [चित्त जब स्पंदित होता तो जागृत जब निसपंदित तो सुषुप्ति दोनों ही जहां से उठे वैसे ही स्थित जगत भी ब्रहम और राम का नाम ब्रहम है जो जगत है यही आचार्य शंकर ने कहा यथा राम का ध्यान करो किसी से भी न डरो तुम अकाट्य अचल अग्नि वायू और जल भी नष्ट नहीं कर सकता फिर शरीर धारी से क्या डरना मृत्यु छु नहीं सकती उससे कैसा भय [ चित्त से उठे सब पदार्थ आकाश रुप उन्हें पाने और छोड़ने का क्या विचार करना ये मिल जाये ऐसा बन जाऊं ऐसा हो तो अच्छा यही अविधा सब दुःखों का कारण है क्योंकि आकाश को मुढढी में बांधा नहीं जा सकता इसलिए शांत होकर पाने होने और खोने से रहित हो सवरुप में सथिती : - श्वेताश्वतरोपनिषद् निष्कलं निष्क्रिय शान्तं निरवद्यं निरञ्जनं। अमृतस्य परंसेतुं दग्धेन्धनमिवानलम।।(6-19) अर्थ समस्त कलाओं से रहित , क्रियारहित , सर्वथा शान्त,निर्दोष, निर्मल, अमृत के परम सेतु रूप तथा जले हुए ईंधन से युक्त अग्नि की भांति उन परमात्मा का चिंतन करताहूं। भाष्य धधकते अंगारे में जैसे अग्नि व्याप्त रहती है वैसे ही इस जगत में ब्रह्म व्याप्त है । जब ईंधन का पार्थिव अंश पूर्णतया भस्म हो जाता है तभी अंगारे में अग्नि धधकती है और जब तक पार्थिव अंश विद्यमान रहता है तब तक अग्नि धुएं के साथ जलती रहती है , लेकिन धधकती नहीं है । इसी प्रकार पुरुष में जब तक पार्थिव अंश अर्थात अहंकार विद्यमान है तब तक उसे धुवां अर्थात संसार ही दिखता है लेकिन जब अहंकार पूर्णतया नष्ट हो जाता है तो ब्रह्म उसी प्रकार प्रकट हो जाता है जैसे धधकते अंगारे में अग्नि स्पष्ट दिखाई देने लगती है । धधकते अंगारे में अग्नि निराकार, निष्क्रिय, शान्त, निर्दोष, निर्मल होते हुए भी वह अंगारे से सर्वथा रहित होती है । इसी प्रकार ब्रह्म, इस चराचर व परिवर्तनशील जगत में समस्त कलाओं से रहित , निराकार, क्रियारहित, सर्वथा शान्त,निर्दोष,निर्मल व सर्वत्र व्याप्त होता हुआ भी इस जगत से सर्वथा रहित है । इस प्रकार से जो भी साधक परमात्मा को जान लेता है वह जन्म-मृत्यु से रहित होकर परम शान्ति को प्राप्त हो जाता है । शरीर में प्लाज्मा रक्त का हल्का पीला, तरल भाग है जो लगभग 55% होता है, जिसमें पानी (92%), प्रोटीन (जैसे एल्ब्यूमिन, एंटीबॉडी), शर्करा, वसा, हार्मोन और खनिज लवण घुले होते हैं; यह लाल और श्वेत रक्त कोशिकाओं तथा प्लेटलेट्स को ढोता है, और रक्तचाप, पीएच संतुलन बनाए रखने तथा पोषक तत्वों और अपशिष्टों के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जय श्रीराम के नाम से शरीर में प्लाज्मा बढता हैः कौन सा प्लाज्मा। रक्त-प्लाज्मा (शरीर में), ऊर्जा-प्लाज्मा (प्राण, तेज, ओज),प्लाज्मा अवस्था जैसी ऊर्जा (चौथी अवस्था ठोस, द्रव, गैस से आगे) : पहले आप समझिए प्लाज्मा क्या होता है प्लाज्मा आधुनिक विज्ञान में वह अवस्था है जो न ठोस होती है न द्रव होता है और न गैस होती है। यह अवस्था इलेक्ट्रोप्लाटिंग की कंडीशन में अधिक पैदा होती है। यह अवस्था क्षणिक भी हो सकती है और लंबी अवस्था भी हो सकती है। भक्ति में यह इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि आपकी ऊर्जा यानी ओजस बढ़ता है। वास्तव में उच्च के बढ़ने से चेहरे पर चमक शांति के साथ रक्त बहुत शुद्ध हो जाता है।

# क्रांति की नींव रखने वाले काकोरी के शूरवीरों को नमन

**योगेश कुमार गोयल**

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था। 8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई।

# उत्तराखंड में सुशासन की कवायद, जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान

**पथ प्रवाह, देहरादून**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार संचालित ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' अभियान के दूसरे दिन प्रदेश की अनेक न्याय पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में जन-समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के साथ ही हजारों की संख्या में पात्र ग्रामीणों को 23 विभागों की चिन्हित योजनाओं से मौके पर ही लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को जन-समस्याओं के निस्तारण के लिए 'सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टि' के मूल मंत्र का पूरा ध्यान रखे जाने की हिदायत दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए न्याय पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में जन-प्रतिनिधियों के समन्वय से अधिकाधिक जन-सहभागिता सुनिश्चित की जाय। कैम्पों का आयोजन सुव्यवस्थित तरीके से हो। पात्र व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं व सेवाओं से लाभान्वित करने के साथ ही यह सुनिश्चित हो कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। जन-समस्याओं की समुचित सुनवाई कर प्रभावी समाधान किया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर न्याय पंचायतों में दोबारा भी कैम्प आयोजित किए जांय।

### पौड़ी गढ़वाल

पौड़ी जिले के यमकेश्वर ब्लॉक की न्याय पंचायत किमसार के गंगा भोगपुर में आयोजित शिविर में 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस मौके पर 68 शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस शिविर में क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट मुख्य अतिथि रहीं। इस शिविर में 126 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग की पेंशन एवं अन्य योजनाओं से 08 लोगों को लाभ प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा 05 लाभार्थियों का पंजीकरण करने के साथ ही राजस्व विभाग द्वारा 70 लोगों को जाति व आय प्रमाण पत्र, खतौनी की नकल सहित अन्य सेवाओं का लाभ दिया गया। अन्य योजनाओं से भी 95 ग्रामीणों का लाभान्वित करने के साथ ही बाल विकास विभाग के स्टॉल पर 02 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार एवं 01 महिला का गोद भराई संस्कार भी संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में प्रभारी जिलाधिकारी गिरीश गुणवंत, ब्लॉक प्रमुख यमकेश्वर सीता चौहान सहित अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

### चमोली

चमोली जिले में नन्दागर विकासखण्ड के मटई गॉव एवं जोशीमठ के उर्गम में शिविरों का आयोजन कर 369 जन-समस्याओं का निस्तारण किया गया।

अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में न्याय पंचायत सेमा के ग्राम मटई में आयोजित शिविर में 218 जन-समस्याएं व शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें 198 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं दूसरी ओर जोशीमठ तहसील के उर्गम में उपजिलाधिकारी चन्द्रशेखर वशिष्ठ की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में कुल 256 जन-समस्याएं व शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिसमें 171 का मौके पर ही समाधान किया गया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख हेमा नेगी सहित क्षेत्रीय जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### हरिद्वार

हरिद्वार जिले में भगवानपुर ब्लॉक की न्याय पंचायत नौकराग्रांट के पंचायत भवन में आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने 35 शिकायतें दर्ज कराई। 20 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में 16 लाभार्थियों को मनरेगा जॉब कार्ड जारी करने के साथ ही 10 लाभार्थियों के श्रमिक कार्ड नवीनीकरण व पंजीकरण भी किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 04 लभार्थियों के पेंशन प्रकरण मौके पर ही सत्यापन किया गया। शिविर में 17 ग्रामीणों को उद्यान कार्ड एवं बीज, पौध वितरण किया गया और 18 आय, जाति स्थाई प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही जन्म प्रमाण पत्र परिवार रजिस्टर में संशोधन के 04 प्रकरण निस्तारित किए गए। आयुष विभाग द्वारा 21 लोगों को स्वास्थ्य परिक्षण एवं दवा वितरण किया गया। 29 अन्य लाभार्थियों को भी विभिन्न योजनाओं से लाभन्वित किया गया।

### उत्तरकाशी

उत्तरकाशी जिले में पुरोला ब्लॉक की न्याय पंचायत गुन्दियाटगांव में उपजिलाधिकारी पुरोला मुकेश चन्द रमोला की अध्यक्षता में जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 500 से अधिक लोगों ने शिविर में विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया। मौके पर 10 लोगों के आय, जाति, स्थाई प्रमाण पत्र बनाए गए। ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के अंतर्गत रू. 5.50 लाख के चेक वितरित करने के साथ ही 197 लोगों को लाभान्वित किया गया। शिविर में 34 छोटे कृषि यंत्र तथा 18 उद्यान कार्ड भी वितरित किए गए। इस अवसर पर 77 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही 06 ग्रामीण युवकों को कैरियर काउंसिलिंग सेवा से लाभान्वित किया गया।

### नैनीताल

'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के दूसरे दिन नैनीताल जिले में न्याय पंचायत सिरमोली एवं मालधनचौड़ में बहुद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। रा.इं.कॉ. मालधनचौड़, रामनगर में विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) नैनीताल विवेक राय एवं की उपस्थिति में आयोजित शिविर में कुल 79 समस्याए व शिकायतें दर्ज हुई जिनमें से 70 मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। इस शिविर में 211 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवा दी गई। राजस्व विभाग 90 लोगों के आय, स्थाई निवास, जाति एवं चरित्र प्रमाण पत्र बनाए गए। 35 लोगों को आधार कार्ड बनाने एवं अपडेशन की सुविधा से लाभन्वित किया गया। इस मौके पर 20 धात्री महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की गई और पेंशन योजनाओं से संबंधित 15 आवेदन पत्र भी भरवाएं गए। सेवायोजन विभाग द्वारा 4 पंजीकरण से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। 63 पशुपालकों को पशुओं की दवा उपलब्ध कराई गई। दुग्ध विभाग द्वारा 16 तथा सहकारिता विभाग द्वारा 11 लोगों को विभागीय योजना से लाभान्वित कराया गया। इस दौरान क्षेत्र पंचायत प्रमुख मंजू नेगी, उप जिला अधिकारी प्रमोद कुमार, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। न्यायपंचायत सिरमोली में आयोजित शिविर में कुल 23 समस्याएं प्राप्त हुई,जिसमें अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया। प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी गोपाल गिरी तथा क्षेत्र पंचायत प्रमुख दीप कुमार की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग द्वारा 109 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरित की गई। 17 किसानों को कृषि यंत्र एवं जैविक खाद का वितरण के साथ ही 21 पशुपालकों को निःशुल्क दवाएं प्रदान की गई।

### बागेश्वर

जनपद बागेश्वर में अभियान के तहत गुरूवार को दो न्याय पंचायतों में आयोजित शिविरों में 1000 से अधिक लोगों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। बागेश्वर ब्लॉक की न्याय पंचायत सैंज में उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी की अध्यक्षता में तथा कपकोट ब्लॉक की न्याय पंचायत उत्तरौड़ा में उपजिलाधिकारी अनिल सिंह चनियाल की अध्यक्षता में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही सहकारिता, शिक्षा, राजस्व, पूर्ति, पंचायती राज, उरेडा, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, कृषि, पशुपालन, विद्युत, सेवायोजन, बाल विकास एवं जल संस्थान सहित विभिन्न विभागों द्वारा पात्र लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

### ऊधमसिंह नगर

ऊधमसिंह नगर जिले के न्यायपंचायत बिगराबाग के पंचायत भवन बिरिया में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 06 शिकायतों का निस्तारण करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में 210 लोगों को लाभान्वित किया गया। इस मौके पर दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट तथा महिला स्वयं सहायता समूह को चैकों का वितरण भी किया गया।

## एक नजर

### शराब ठेके की साझेदारी के नाम पर भाजपा नेता से 24 लाख की ठगी, सात पर मुकदमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शराब के ठेकों और फर्म में साझेदारी दिलाने का झांसा देकर भाजपा के एक स्थानीय नेता से 24 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि रकम लेने के बाद न तो साझेदारी कराई गई और न ही धनराशि लौटाई गई। विरोध करने पर आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए जान से मारने की धमकी तक दे डाली। कनखल पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अदालत में दिए गए प्रार्थना पत्र में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मयंक गुप्ता पुत्र आदेश गुप्ता, निवासी इंदु एन्क्लेव, कनखल ने बताया कि उनके भाई हिमांशु गुप्ता के माध्यम से उनकी पहचान सुरेंद्र कश्यप निवासी नूरखेड़ी जंदखेड़ी, सहारनपुर; प्रमोद जायसवाल निवासी इंद्रा विकास कॉलोनी, भीमगोड़ा; राहुल बंसल निवासी नई बस्ती, भीमगोड़ा तथा सुधीर सिंह निवासी बनगांव, जनपद गोंडा से हुई थी। इन लोगों ने अपने अन्य सहयोगियों प्रिया जायसवाल पत्नी प्रमोद जायसवाल, श्यामलाल यादव निवासी सुल्तानपुर माजरी, बहादराबाद और पप्पू उर्फ श्यामलाल निवासी बड़ा गांव नानौता देहात, सहारनपुर के साथ मिलकर मैसर्स वरदान एसोसिएट नामक फर्म संचालित करने का दावा किया था।

आरोपियों ने बताया कि फर्म का कार्यालय राजा गार्डन, जगजीतपुर में स्थित है और वे शराब के ठेके, रेस्टोरेंट, पब, बार, रिजॉर्ट तथा होटल निर्माण जैसे बड़े कारोबार से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्तमान में उनके पास दो अंग्रेजी शराब और दो देशी शराब की दुकानें हैं, जिनमें साझेदारों की हिस्सेदारी तय है। इसी भरोसे पर मयंक गुप्ता को भी फर्म और शराब की दुकानों में पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया गया।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों के झांसे में आकर 28 जुलाई 2023 को 14 लाख 50 हजार रुपये तथा 29 अगस्त 2023 को 9 लाख 50 हजार रुपये, कुल 24 लाख रुपये मैसर्स वरदान एसोसिएट के बैंक खाते में जमा कराए गए। रकम लेने के बाद सुरेंद्र कश्यप और सुधीर सिंह ने जल्द ही पार्टनरशिप डीड तैयार कराने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बाद टालमटोल शुरू कर दी गई।

जब पीड़ित ने अन्य कथित साझेदारों से संपर्क कर अपनी हिस्सेदारी और धनराशि के संबंध में जानकारी चाही तो कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। आरोप है कि उल्टा सभी ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए पैसे मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने और हत्या तक की धमकी दी।

थानाध्यक्ष कनखल मनोहर सिंह रावत ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सभी सात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सेवाओं के अधिकार का दायरा बढ़ाने के निर्देश

**पथ प्रवाह, देहरादून**

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में सेवा का अधिकार (आरटीएस) अधिनियम के अंतर्गत संचालित सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और सरल सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए अधिक से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाओं को सेवा का अधिकार अधिनियम के दायरे में लाया जाना आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने आईटीडीए को निर्देश दिए कि आरटीएस एवं नॉन आरटीएस के अंतर्गत अधिसूचित 1053 सेवाओं को शीघ्र ऑनलाइन किया जाए, ताकि आमजन को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और डिजिटल माध्यम से सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर सेवाएं अनिवार्य रूप से प्रदान की जाएं। यदि तय अवधि में सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो व्यवस्था ऐसी हो कि मामला स्वतः उच्च स्तरीय अधिकारी तक पहुंच जाए। मुख्य सचिव ने

निर्देश दिए कि सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सभी सेवाओं की जानकारी कार्यालयों के बाहर सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। इसके साथ ही प्रथम एवं द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी की जानकारी भी स्पष्ट रूप से दर्शाई जाए, ताकि नागरिकों को शिकायत एवं अपील की प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने आयुक्त, सेवा का अधिकार आयोग को सेवा का अधिकार अधिनियम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ड्राफ्ट नियम तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में सचिव नितेश कुमार झा, आयुक्त सेवा का अधिकार आयोग भूपाल सिंह मनराल तथा निदेशक आईटीडीए आलोक पाण्डेय उपस्थित रहे।

## सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा : गडकरी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोक सभा में बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने वालों को अब पुलिस से पूछताछ या अन्य किसी तरह की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ेगा और उन्हें पुरस्कृत भी किया जायेगा।

गडकरी ने प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में बताया कि सरकार ने ऐसे प्रावधान किये हैं जिससे सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों को चिकित्सीय सहायता देने या अस्पताल पहुंचाने वालों को अब पुलिस परेशान नहीं करेगी और वे किसी तरह के कानूनी पचड़े में भी नहीं पड़ेंगे। घायलों की मदद करने वालों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जायेगी। उन्होंने लोगों से सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने बताया कि घायलों के अस्पताल पहुंचने पर तुरंत उनका इलाज शुरू हो सके, इसके लिए अस्पतालों को तत्काल डेढ़ लाख रुपये तुरंत प्रतिपूर्ति के रूप में दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि देश में प्रति वर्ष पांच लाख सड़क दुर्घटनायें होती हैं, जिनमें करीब डेढ़ लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें अधिक युवा अधिक होते हैं। उन्होंने कहा कि इन दुर्घटनाओं में घायल होने वालों को यदि तत्काल चिकित्सीय मदद पहुंचायी जाये तो 50 हजार लोगों की जान बचायी जा सकती है। उन्होंने सांसदों से अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए जागरुकता अभियान चलाने की अपील की और उनसे सुझाव भी मांगे। केन्द्रीय मंत्री ने अध्यक्ष ओम बिरला से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में विचार-विमर्श करने के लिए सदन में चर्चा कराने की भी मांग की और कहा कि इससे देश भर के सांसदों के सुझाव लेकर बेहतर उपाय निकाले जा सकेंगे।

## एक नजर

### एसडीआरएफ ने स्कूलों में चलाया जागरूकता अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के विद्यालयों में एसडीआरएफ द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एसडीआरएफ की टीम आपदा संबंधी जानकारी छात्र छात्राओं को देकर उन्हें जागरूक किया गया।

विद्यालय में उपस्थित छात्रों को आपदा संबंधित सभी जानकारियां देते हुए आपदा के दौरान अपने आप को सुरक्षित करते हुए अन्य मददगारों की सहायता करना और रेस्क्यू तकनीकों के माध्यम से रेस्क्यू कार्य को सहज बनाना आदि सिखाया गया। विद्यार्थियों को बाढ़, भूकंप, आपदा प्रबंधन आपदा न्यूनीकरण के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अभियान के लिए एसडीआरएफ द्वारा कई विद्यालयों को चिन्हित किया गया है। इनमें उन क्षेत्रों के स्कूल शामिल हैं जो बाढ़ व अन्य आपदाओं से प्रभावित रहते हैं या भविष्य में आपदा की संभावना है। आपदा संबंधित जन जागरूकता अभियान का लक्सर रायसी क्षेत्र के हर्ष विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से किया गया। यह अभियान 10 विद्यालयों में 31 दिसंबर तक चलाया जाएगा। इन स्कूलों जनता इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, आईपी इंटर कॉलेज लक्सर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ऐथल, राजकीय इंटर कॉलेज भोगपुर, राजकीय इंटर कॉलेज मुंडा खेड़ा कला, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंडा खेड़ा कला, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज निरंजनपुर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेड़ी कला, पब्लिक दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज लक्सर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालावाली शमिल हैं।

### हरकी पैड़ी क्षेत्र में आपात स्थिति में उतर सकेंगे हेलिकॉप्टर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नए प्रस्तावित सीसीआर- 2 भवन पर (नियंत्रित हवाई क्षेत्र में) नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने हेलिकाप्टर उतारने की अनुमति दे दी है। जिसके बाद मेला प्रशासन अब नए सीसीआर भवन के निर्माण को लेकर तैयारी में जुट गया है। इसी नए भवन की छत पर हेलीपैड बनाया जाएगा जहां आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारा जा सकेगा। कुम्भ मेला अधिष्ठान को अब सरकार से हरकी पैड़ी के समीप मेला नियंत्रण भवन-2 महत्वाकांक्षी योजना के भवन निर्माण की अनुमति का इंतजार है। बताया जा रहा है कि वर्ष भर चलने वाले मेलों की सुदृढ़ व्यवस्थाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। कुंभ मेला अधिकारी सोनिका ने बताया कि प्रस्तावित सीसीआर --2 भवन को रिकार्ड समय में कुंभ मेला 2027 से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। यदि कुम्भ मेला शुरू होने से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो फिर भी हरिद्वार में वर्ष भर चलने वाले लख्खी मेलों की व्यवस्थाओं के लिए भविष्य की दृष्टि से यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि सड़कों, गंगा घाटों के अलावा पुलों के निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्वक समयबद्ध पूरा कराने हेतु लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग के दो खण्ड कुंभ मेला 2027 में स्थापित कर अधिकारियों की नियुक्ति शासन द्वारा कर दी गई है। जो चल रहे कार्यों की गुणवत्ता की समय पर जांच करेंगे।

### नौकराग्रांट में लगा बहुउद्देशीय शिविर, 20 समस्याओं का मौके पर किया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में दूसरे दिन विकास खंड भगवानपुर न्याय पंचायत नौकराग्रांट के पंचायत भवन में सयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र की अध्यक्षता में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया बहुउद्देशीय शिविर।

जन जन की सरकार जन जन के द्वार आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में क्षेत्रीय जनता द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 35 शिकायतें दर्ज कराई गई ,जिसमें से 20 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को त्वरित निस्तारण हेतु प्रेषित किया गया।

बहुउद्देशीय शिविर में सयुक्त मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शिविर के माध्यम से जिन शिकायतों का निराकरण नहीं हो पाया है, उन शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करना सुनाश्चित करें इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। इस शिविर में ग्राम प्रधान भारती कौर, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा पवन राठौर, सामाजिक कार्यकर्ता कमलजीत सिंह, सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल,जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, नोडल अधिकारी/ सेवाजन अधिकारी उत्तम सिंह,तहसीलदार भगवानपुर दयाराम सहित संबंधित अधिकारी जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

# एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल की सख्ती: जगजीतपुर को 'पिल्ला गैंग' से मुक्ति

**पथ प्रवाह, दीपक चौहान**

कनखल थाना क्षेत्र के जगजीतपुर पीठ पुलिया और आसपास के इलाकों में लंबे समय से दहशत का पर्याय बनी तथाकथित 'पिल्ला गैंग' के खौफ से अब जनता को राहत मिल गई है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल का कनखल पुलिस के निर्देशों का असर साफ दिखाई देने लगा है। कनखल पुलिस की सख्त कार्रवाई, लगातार गश्त और 24 घंटे की मुस्तैदी के चलते क्षेत्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। पुलिस की सक्रियता से न केवल अपराध पर अंकुश लगा है, बल्कि लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

विदित हो कि बीते दिनों जगजीतपुर पीठ पुलिया क्षेत्र में हुई आए दिन मारपीट और फायरिंग जैसी घटनाएं आम हो गई थी। जगजीतपुर की सड़कों पर कथित पिल्ला गैंग का खौफ दिखाई देने लगा था। क्षेत्र की जनता दहशत में रहने लगी थी। असामाजिक तत्वों का दुकानों में घुसकर मारपीट, लूटपाट मारपीट करना सामान्य घटना बन गई थी।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने जनता की समस्याओं पर संजीदगी दिखाते हुए कनखल पुलिस के पेंच कसे। क्षेत्र में गुंदागर्दी को खत्म करने के लिए पुलिस को सख्ती दिखाने के निर्देश दिए। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देशों पर कनखल पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक के नेतृत्व में पुलिस ने संदिग्धों पर पैनी नजर रखते हुए सख्त कार्रवाई की, जिससे गुंडागर्दी और खुलेआम उपद्रव करने वालों में पुलिस का खौफ साफ नजर आने लगा।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने जगजीतपुर पीठ पुलिस क्षेत्र में जनता के प्रति पुलिस का भरोसा बरकार रखने के लिए नियमित पीएसी के जवान तैनात कर दिए। 24 घंटे मौजूद पुलिसकर्मी जनता की सुरक्षा में मौजूद रहे। जबकि जगजीतपुर चौकी पुलिस की नियमित गश्त जारी रही। पुलिस की इस नियमित चेकिंग से प्रभावित स्थानीय निवासी राजू ने बताया कि पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पहले शाम ढलते ही लोग पीठ पुलिया से गुजरने में डरते थे, लेकिन अब पुलिस की नियमित ड्यूटी और पिकेट के चलते यहां किसी भी प्रकार की वारदात नहीं होती। उन्होंने पुलिस प्रशासन का विशेष रूप से आभार जताया। वहीं, जगजीतपुर क्षेत्र में चाउमीन की रेहड़ी लगाने वाले दुकानदार ने बताया कि पुलिस पिकेट शुरू होने के बाद से माहौल पूरी तरह बदल गया है। पहले नशेड़ी और शराबियों के कारण आए दिन झगड़े होते थे, लेकिन अब न तो गुंडागर्दी है और न ही अव्यवस्था। कारोबार भी पहले से बेहतर हो गया है।

एक स्थानीय युवक ने बताया कि कुछ समय पहले तक नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों के कारण इलाके में डर का माहौल था, लेकिन अब पिल्ला गैंग का खात्मा हो चुका है। पुलिस की सतर्कता से क्षेत्र पूरी तरह भयमुक्त हो गया है।

चेकिंग के दौरान बातचीत करते हुए जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक ने कहा कि जनता की सुरक्षा और क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

# चौखुटिया में भालू का हमला, दो महिलाएं गंभीर घायल

**पथ प्रवाह, अल्मोड़ा**

जनपद के चौखुटिया ब्लॉक अंतर्गत चकोड़ी गांव में भालू के अचानक हमले से दो महिलाएं बुरी तरह घायल हो गईं। घटना उस वक्त हुई जब दोनों महिलाएं रोज़मर्रा के काम से जंगल की ओर गई थीं। भालू ने अचानक हमला कर उन्हें गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल चौखुटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें बेस अस्पताल अल्मोड़ा रेफर किया गया।

पहाड़ की औरत, जो हाथों में दरांती लेकर खेतों और जंगलों में दिन-रात मेहनत करती है, आज खुद जीवन और मौत से जूझ रही है। धूप, बारिश और बर्फ में परिवार की जिम्मेदारी उठाने वाली ये महिलाएं केवल गृहिणी नहीं, बल्कि पहाड़ की असली रीढ़ हैं। मां, बहू, मजदूर और संरक्षक–हर भूमिका में वे सबसे आगे रहती हैं।

यह घटना एक बार फिर पहाड़ों में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीर तस्वीर पेश करती है। सवाल यह है कि कब तक महिलाएं अपनी जरूरतों और जिम्मेदारियों के बीच जंगल और जंगली जानवरों के खतरे में जीती रहेंगी? अब वक्त है कि वन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, गांवों के आसपास निगरानी बढ़े और पीड़ितों को त्वरित सहायता व मुआवजा मिले। सबसे जरूरी है संवेदनशीलता–ताकि पहाड़ की औरत सुरक्षित रह सके।

# काउंसलिंग से दो परिवारों में लौटी खुशियाँ, उत्तरकाशी पुलिस की पहल से सुलझी पारिवारिक कलह

**पथ प्रवाह,उत्तरकाशी।**

जब परिवारों में संवाद की जगह गलतफहमियां घर कर लेती हैं, तब रिश्तों में दरार आना तय हो जाता है। ऐसे ही नाजुक हालात में संवेदनशीलता, धैर्य और सकारात्मक सोच रिश्तों को टूटने से बचा सकती है। उत्तरकाशी पुलिस के ऐच्छिक ब्यूरो द्वारा आयोजित काउंसलिंग सत्र में दो परिवारों को नया जीवन मिला और वर्षों की कड़वाहट संवाद के जरिए दूर हो सकी।

पुलिस महिला काउंसलिंग सैल को प्राप्त पारिवारिक विवादों के समाधान के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय उत्तरकाशी में ऐच्छिक ब्यूरो कमेटी की काउंसलिंग आयोजित की गई। इस दौरान कुल चार पारिवारिक मामलों में दोनों पक्षों को शांतिपूर्वक सुना गया और आपसी बातचीत के जरिए समाधान के प्रयास किए गए।

काउंसलिंग के सकारात्मक परिणामस्वरूप दो दंपतियों ने अपने मतभेद भुलाकर साथ रहने का निर्णय लिया, जिससे उनके परिवारों में खुशियों की वापसी हुई। शेष दो मामलों में पक्षकारों को सोच-विचार के लिए अगली तिथि दी गई।

काउंसलिंग सत्र में पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार, मनोचिकित्सक प्रिया त्यागी, प्रवक्ता अनामिका क्षेत्री, अधिवक्ता राजकुमारी रमोला, प्रवक्ता नीतू राज तथा प्रभारी महिला काउंसलिंग सैल गीता मौजूद रहीं। सभी सदस्यों ने संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ पक्षकारों को समझाया।

पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने कहा कि पारिवारिक विवाद केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विषय भी होते हैं। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई अंतिम विकल्प होनी चाहिए। काउंसलिंग के माध्यम से रिश्तों को बचाने के प्रयास समाज को मजबूत बनाते हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि पारिवारिक विवाद की स्थिति में महिला काउंसलिंग सैल और ऐच्छिक ब्यूरो की सहायता लें, ताकि संवाद से समाधान संभव हो सके।

# डीएम स्वाति एस भदौरिया की सराहनीय पहल, छात्राओं में आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता का संचार

**पथ प्रवाह, पौड़ी।**

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया के निर्देश पर जनपद पौड़ी गढ़वाल के राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ल्वाली में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत अफसर बिटिया कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं नेतृत्व के प्रति प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विकास परियोजना अधिकारी, पौड़ी आशा रावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के सम्मान के साथ किया गया। इस अवसर पर

प्रधानाध्यापिका पद्मा रावत, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सुंडाखाल अलीशा सचदेवा, क्षेत्र पंचायत सदस्य मधु नेगी तथा ग्राम प्रधान नीलम देवी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर आधारित सामूहिक नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संबोधन में सीडीपीओ ने कहा कि एक साक्षर और जागरुक बेटी ही सशक्त समाज की नींव रखती है तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा भी बालिका सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय की समस्त छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सुपरवाइजर कमला नेगी द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी, जबकि मंच संचालन सुपरवाइजर सुषमा रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की समस्त अध्यापिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

## एक नजर

### कोतवाली रुडकी पुलिस ने 11 बहरूपी बाबाओं को पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ऑपरेशन कालनेमी के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुडकी के कुशल नेत्तृव में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान 11 बहरुपी बाबाओं को पकड़ा। इन बेहरुपी बाबाओं के कृत्य से स्थानीय लोगों एवं यात्रियों के भडकने/उग्र होने की सम्भावना के दृष्टिगत थाना कोतवाली रुडकी की पुलिस टीम द्वारा कोतवाली रुडकी क्षेत्र से 11 बेहरुपी बाबाओं को अन्तर्गत धारा 172(2) बी0एन0एस0एस के अन्तर्गत कार्रवाई की गयी। उक्त बाबाओ के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

### जनपद के सभी थानों में मनाया गया अल्पसंख्यक अधिकार दिवस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद के सभी पुलिस थानों में अल्पसंख्यक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अल्पसंख्यकों की समस्याओं को सुना गया और लाभप्रद योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर थाना कनखल में थान प्रभारी की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही योजनाएं आदि के संबंध में जागरूक किया गया। अल्पसंख्यकों के लिए सरकार द्वारा की गयी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी साझा की गयी। इस दौरान गोष्ठी में शामिल हुए लोगों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया साथ ही कुछ सुझाव भी दिये। जिन पर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया गया। इसी तरह कोतवाली ज्वालापुर, बहादराबाद, सिडकुल, श्यामपुर आदि में भी अल्पसंख्यक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग उत्तराखंड के द्वारा जारी की गई पुस्तिका को वितरण कर छात्रवृत्ति योजनाएं, स्वरोजगार परक योजनाएं आदि के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। गोष्टी के दौरान सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये, इसके अतिरिक्त उपस्थित सभी अल्पसंख्यको को वर्तमान में माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार के 'नशा मुक्त देवभूमि 2025' अभियान के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये नशे से होने वाले दुष्प्रभाव तथा रोड सैफ्टी तथा साईबर क्राईम के सम्बन्ध में भी जागरुक किया गया ।क्षेत्र में नशा करने वाले व्यक्तियों विशेषकर युवाओं की काउंसलिंग कर उन्हे नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने के सम्बन्ध में भी मौजूद लोगों को जागरुक किया गया।

### देश की सांस्कृतिक चेतना को दिशा देता रहेगा भातखंडे विश्वविद्यालय : योगी

लखनऊ, 18 दिसंबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित भातखंडे विश्वविद्यालय की 100 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भातखंडे विश्वविद्यालय सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र रहा है और आने वाले समय में भी देश की सांस्कृतिक चेतना को दिशा देता रहेगा। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में मंगलवार को शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की 100 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से दशकों पुराने विश्वविद्यालय से जुड़ा 15 पैसे का ऐतिहासिक डाक टिकट प्रदर्शित किया। विश्वविद्यालय के कला मंडपम सभागार में आयोजित समारोह में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्यसभा सांसद व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा तथा लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात नृत्यांगना डॉ. सोनल मानसिंह रहीं। इस अवसर पर 'विकसित भारत-2047 में भारतीय सांस्कृतिक परंपराएं' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी शुभारंभ किया गया।

# डॉ. धन सिंह रावत की विधायक निधि से विश्वविद्यालय को मिली एम्बुलेंस

पथ प्रवाह, पाबौ। भरसार स्थित जय औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय को लंबे इंतजार के बाद नई एम्बुलेंस की सौगात मिली है। पाबौ विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत द्वारा अपनी विधायक निधि के माध्यम से विश्वविद्यालय को यह एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा काफी समय से एम्बुलेंस की मांग की जा रही थी, क्योंकि पूर्व में उपलब्ध एम्बुलेंस अत्यंत जर्जर अवस्था में थी, जिससे आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

नई एम्बुलेंस के मिलने से अब विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। एम्बुलेंस का औपचारिक लोकार्पण मुख्य चिकित्सा अधिकारी पौड़ी डॉ. शिवप्रसाद शुक्ला की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं जनसेवा के क्षेत्र में सरकार के प्रयासों की सराहना की गई।

कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ के प्रभारी पंकज सिंह,उमेश ढोढियाल, विधायक प्रतिनिधि पाबौ गुलाब बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख पाबौ लता रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष पाबौ नरेंद्र भंडारी सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने विश्वविद्यालय को मिली इस सुविधा को क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

वक्ताओं ने कहा कि दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय के लिए एम्बुलेंस जैसी सुविधा जीवनरक्षक साबित होगी। विधायक डॉ. धन सिंह रावत के इस प्रयास से न केवल विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं मजबूत होंगी, बल्कि आसपास के ग्रामीणों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। यह पहल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

पथ प्रवाह, पाबौ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल अपने तीन दिवसीय जनपद दौरे के दूसरे दिन पाबौ पहुँचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। पाबौ पहुँचने से पूर्व उन्होंने गोवा के एक रिसॉर्ट में हुए अग्निकांड में मृतक छानी निवासी सुमित नेगी के परिजनों से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

इस दौरान गणेश गोदियाल ने प्रदेश सरकार से विनम्र अपील करते हुए कहा कि गोवा अग्निकांड में जान गंवाने वाले उत्तराखंड के सभी 9 मृतकों के परिजनों को समुचित आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवारों को रोजगारपरक योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि उनकी आजीविका सुचारू रूप से चल सके और भविष्य सुरक्षित हो सके। इसके उपरांत पाबौ पहुँचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। गणेश गोदियाल ने कहा कि श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के लोगों का यह प्रेम और स्नेह उनके लिए सदैव

अविस्मरणीय रहेगा, जिसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और प्रदेश की सभी 70 विधानसभा सीटों पर ऐसे प्रत्याशी उतारे जाएंगे, जिनकी अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत पकड़ और बेहतरीन कार्यप्रणाली हो। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी निश्चित रूप से आगामी चुनाव में विजय हासिल कर प्रदेश में सशक्त सरकार बनाएगी। कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद गणेश गोदियाल पैठणी पहुँचे। प्रदेश अध्यक्ष के दूसरी बार पदभार संभालने के बाद यह उनकी अपनी विधानसभा का पहला दौरा रहा। इस दौरान पैठाणी में जिला अध्यक्ष विनोद नेगी, ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह, जिला पंचायतसदस्य सीमा चमोली, बुद्धि सिंह, चैत सिंह, सेवानिवृत्त बीडीओ आशा राम पन्त, धर्म सिंह असवाल आदि मौजूद रहे।

## भड़ास4मीडिया के यशवंत सिंह को 'एंग्री यंग मैन मीडिया जर्नलिस्ट अवार्ड'

**पथ प्रवाह, बाँदा (बुंदेलखंड)।**

प्रेस ट्रस्ट ऑफ बुंदेलखंड द्वारा आगामी 21 दिसंबर 2025, रविवार को बाँदा में प्रथम वार्षिक आयोजन 'संवाद, सम्मान एवं शपथग्रहण समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम निर्भीक, ईमानदार और जनहितकारी पत्रकारिता को समर्पित रहेगा, जिसमें पत्रकारिता के मूल्यों और सामाजिक दायित्वों पर विशेष चर्चा होगी। इस अवसर पर वरिष्ठ एवं अग्रज पत्रकार यशवंत सिंह को 'द पीटीबी : एंग्री यंग मैन मीडिया जर्नलिस्ट अवार्ड' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान उन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता में व्याप्त मीडिया स्कैम्स को उजागर करने, सत्ता और व्यवस्था से टकराकर सच सामने लाने तथा पत्रकारिता के हित में लंबे समय से चल रहे न्यायिक संघर्ष के लिए दिया जा रहा है। पीटीबी का यह प्रथम वार्षिक आयोजन संवाद और सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में पत्रकारिता से जुड़े अनेक वरिष्ठ, युवा पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। प्रेस ट्रस्ट ऑफ बुंदेलखंड ने यशवंत सिंह को इस सम्मान के लिए हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सादर स्वागत की घोषणा की है। यह आयोजन बुंदेलखंड क्षेत्र में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता को नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य करेगा।

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भाजपा विधायकों व वरिष्ठ नेताओं ने की शिष्टाचार भेंट

**पथ प्रवाह, देहरादून।**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को उनके शासकीय आवास पर भाजपा विधायकों एवं संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा जनहित से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करने वालों में विधायक खजान दास, दुर्गेश्वर लाल, बृजभूषण गैरोला एवं सविता हरबंश कपूर शामिल रहे। विधायकों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी योजनाओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। साथ ही उन्होंने जनसरोकार से जुड़े विषयों पर भी ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, हरिद्वार भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा तथा महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कांडपाल भी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। नेताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर अपने सुझाव साझा किए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास और जनकल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## एक नजर

### ट्रम्प की योजना विदेशी मूल के ज्यादा अमेरिकियों की नागरिकता रद्द करना : न्यूयॉर्क टाइम्स

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के एक दस्तावेज़ का हवाला देते हुए गुरुवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन और ज्यादा विदेशी मूल के अमेरिकियों की नागरिकता रद्द करने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएससीआईएस के दिशा-निर्देशों में क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा गया है कि वे वित्तीय वर्ष 2026 में आव्रजन अभियोग कार्यालय को प्रति माह 100-200 नागरिकता रद्द करने के मामले उपलब्ध कराएं। इस उपाय में मुख्य निशाना वे लोग होंगे जिन्होंने अवैध रूप से अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की है। 2017 से अब तक ऐसे केवल 120 मामले दर्ज किए गए हैं। 47वें राष्ट्रपति के रूप में अपने शपथ ग्रहण समारोह के दिन, राष्ट्रपति ट्रम्प ने अवैध आप्रवासन को तत्काल रोकने और अमेरिका से बड़े पैमाने पर निर्वासन शुरू करने का संकल्प लिया था। उन्होंने अमेरिकी सीमा संकट से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी आपातकाल की भी घोषणा की थी।

### मर्लिन समूह की 600 करोड़ रुपये की परियोजना धोखाधड़ी के आरोपों के बीच ज़मीन-विवाद में फंसी

कोलकाता। सुशील मोहता की अध्यक्षता वाला मर्लिन समूह कोलकाता शहर में एक ज़मीन विवाद में फंस गया है जिसमें आरोप है कि इस समूह ने डीसी पॉल समूह के एक पूर्व निदेशक के साथ मिलकर आनंदपुर इलाके में एक कीमती जमीन पर 600 करोड़ रुपये की मर्लिन नियासा परियोजना के विकास के लिए धोखाधड़ी से संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया था। दक्षिण 24 परगना के जिला न्यायाधीश सुभ्रदीप मित्रा ने इसे प्रथम दृष्टया गड़बड़ी मानते हुए छह दिसंबर को एक आदेश पारित किया जिसमें उस पूर्व निदेशक शांति रंजन पॉल और मर्लिन प्रोजेक्ट्स तथा उनके आदमियों और प्रतिनिधियों को सात जनवरी, 2026 तक उक्त जेडीए और पॉल द्वारा मर्लिन के पक्ष में निष्पादित पावर ऑफ अटॉर्नी के अनुसार काम करने पर रोक लगा दी गयी है। इस मामले में याचिकाकर्ता डी सी पॉल ग्रुप कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और अधिरा कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड ने आरोप लगाया है कि शांति रंजन पॉल ने जाली दस्तावेजों के आधार पर मर्लिन के साथ वह समझौता किया था। आरोप है कि मोहता की कंपनी के पक्ष में एक पावर ऑफ अटॉर्नी निष्पादित की गयी थी। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि मर्लिन समूह को पता था या उन्हें पता होना चाहिए था कि पॉल के पास समझौता करने का अधिकार कभी नहीं था। याचिकर्ता ने कहा कि इससे साफ होता है कि यह जालसाजी, धोखाधड़ी और धोखे का नतीजा थे, और इस प्रकार दोनों के बीच एक स्पष्ट संबंध था। याचिककर्तओं ने आरोप लगाया गया कि एक अनुभवी रियल एस्टेट निर्माणकर्ता होने के नाते मर्लिन समूह को पूरी तरह से जानता था कि पॉल वादी कंपनियों का न तो शेयरधारक था और न ही निदेशक। वादियों ने कहा, ' मिलीभगत और साजिश के बिना प्रतिवादी नंबर दो (मर्लिन), वादी के निदेशकों और शेयरधारकों के सत्यापन के बिना सामान्य तौर पर ऐसे जेडीए और पावर ऑफ अटॉर्नी में शामिल नहीं हो सकता था। मर्लिन नियासा में 150 से अधिक महंगेअपार्टमेंट हैं जिनकी कीमतें 3.8 करोड़ रुपये से 4.8 करोड़ रुपये के बीच हैं। बताया जाता है कि यह कोलकाता के पूर्वी मेट्रोपॉलिटन बाईपास के पास और रूबी अस्पताल एवं ताज विवांता होटल के करीब है। उल्लेखनीय है कि अगस्त में कलकत्ता हाई कोर्ट की एक खंड पीठ ने कोलकाता के न्यू टाउन में मोहता और दो अन्य लोगों द्वारा बनाये गये 26-मंजिला टावर को गिराने का आदेश दिया था और आपराधिक कार्यवाही का भी आदेश दिया था। सितंबर में न्यायालय की एक अन्य खंड पीठ ने एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया था, जिसमें मोहता द्वारा बारिशा इलाके में बनायी जा रही मर्लिन अवाना परियोजना में सभी निर्माण कार्यों को रोकने की का अदेश दिये जाने की मांग की गयी थी।

# दहेज के लिए विवाहिता पर जुल्म, 10 लाख की मांग पूरी न होने पर घर से निकाला

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष के लोग लगातार उस पर 10 लाख रुपये लाने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत ससुराल के कई सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस को दी गई शिकायत में हरिलोक कॉलोनी निवासी पारूल गौतम ने बताया कि उसका विवाह 5 फरवरी 2017 को विपिन प्रताप सिंह पुत्र यशपाल सिंह, निवासी पंत विहार कॉलोनी, थाना सदर बाजार, सहारनपुर के साथ सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही पति, सास उर्मिला, ससुर यशपाल सिंह, जेठ विनय और जेठानी विमल दहेज को लेकर ताने देने लगे और मायके से कम सामान लाने का आरोप लगाने लगे।

पीड़िता के अनुसार, ससुराल पक्ष लगातार 10 लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज मांग करने लगा। 14 जनवरी 2018 को सहारनपुर के एक अस्पताल में उसके पुत्र विहान का जन्म हुआ और 14 सितंबर 2022 को दूसरी संतान पुत्री का जन्म हुआ। दोनों अवसरों पर मायके पक्ष की ओर से सोने-चांदी के जेवरात, कपड़े और अन्य सामान दिया गया, इसके बावजूद ससुरालियों की दहेज की मांग खत्म नहीं हुई।

आरोप है कि लंबे समय से चल रहे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के बाद 22 सितंबर को ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने का हवाला देते हुए पारूल गौतम को घर से बाहर निकाल दिया और साफ कह दिया कि बिना पैसे लाए उसे वापस नहीं आने दिया जाएगा। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद वह अपने मायके में रह रही थी।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 28 सितंबर की दोपहर जब वह बस स्टैंड जर्स कंट्री के पास बस का इंतजार कर रही थी, तभी वहां पति, सास और ससुर पहुंचे। तीनों ने गाली-गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। आसपास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।

कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति विपिन प्रताप सिंह समेत सास-ससुर और अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# विदेश भेजने के नाम पर युवती से 11.50 लाख की ठगी, फर्जी वीजा-टिकट भेजकर किया गुमराह

पथ प्रवाह, हरिद्वार। विदेश जाने का सुनहरा सपना दिखाकर एक युवती से लाखों रुपये की ठगी किए जाने का गंभीर मामला कनखल थाना क्षेत्र से सामने आया है। आरोप है कि वीजा और हवाई टिकट दिलाने के नाम पर तीन आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से युवती से 11 लाख 50 हजार रुपये वसूल लिए और बाद में फर्जी टिकट व वीजा भेजकर उसे भ्रमित कर दिया। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में मोनिका संतोषी, निवासी मंगलमूर्ति विहार फेज-1, जमालपुर कलां, कनखल ने बताया कि वह रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में विदेश जाना चाहती थी। इसी दौरान उसका संपर्क कुछ लोगों से हुआ, जिन्होंने खुद को विदेश भेजने, वीजा और हवाई टिकट की व्यवस्था कराने वाला बताया। बातचीत के दौरान सद्दाम हुसैन, माल बाबू और मोहम्मद गालिब नामक तीन लोगों ने भरोसा दिलाया कि वे सभी औपचारिकताएं पूरी कर जल्द ही उसे विदेश भिजवा देंगे। युवती का आरोप है कि 26 दिसंबर 2024 से 11 जुलाई 2025 के बीच आरोपियों ने उससे अलग-अलग किश्तों में कुल 11 लाख 50 हजार रुपये वीजा और टिकट के नाम पर ले लिए। यह रकम कभी बैंक ट्रांसफर के माध्यम से सद्दाम हुसैन के खाते में और कभी यूपीआई के जरिये माल बाबू को भेजी गई। रकम मिलने के बाद आरोपियों ने विश्वास बनाए रखने के लिए ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से उसे हवाई टिकट और वीजा की कॉपी भी भेजी। कुछ समय बाद जब पीड़िता ने इन दस्तावेजों की गहन जांच कराई तो वे पूरी तरह फर्जी निकले। इसके बाद उसने आरोपियों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना बंद कर दिया और संपर्क पूरी तरह खत्म कर दिया। खुद को ठगा हुआ महसूस करने पर युवती ने साइबर टोल-फ्री नंबर पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

साइबर सेल द्वारा प्राथमिक जांच के बाद बृहस्पतिवार को कनखल थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। थाना प्रभारी मनोहर सिंह रावत ने बताया कि आरोपियों के बैंक खातों, यूपीआई लेन-देन और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जल्द ही आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश की जाएगी।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com